लक्ष्य®

REET Mains 2023 सॉल्वड पेपर सहित

3200+ महत्वपूर्ण प्रश्नों सहित

मनु प्रकाशन प्रा. लि. जयपुर

✍ योगेश आर्य
डॉ. महावीर जैन

REET MAINS

III ग्रेड अध्यापक

मुख्य भर्ती परीक्षा

लेवल-2 (कक्षा 6 से 8) हेतु

LAKSHYA BOOKS

REET Mains हेतु यह भी पढ़ें

- भाग-1 : राजस्थान सामान्य ज्ञान, राजस्थानी भाषा एवं शैक्षिक परिदृश्य
- भाग-2 : राजस्थान सामयिक विषय, शैक्षणिक मनोविज्ञान व सूचना प्रौद्योगिकी

(दोनों भाग लेवल-1 व 2 के लिए कॉमन)

भाग-3

संस्कृत

शैक्षणिक रीति विज्ञान सहित (शिक्षण विधियाँ)

LAKSHYA

LAKSHYA BOOKS

Bookbaazi.in

भाग-1 व 2 — REET Mains हेतु सभी के लिए अनिवार्य पुस्तकें

भाग-3 — REET Mains हेतु विद्यार्थियों द्वारा चुने गए विषय

अन्य पुस्तकें

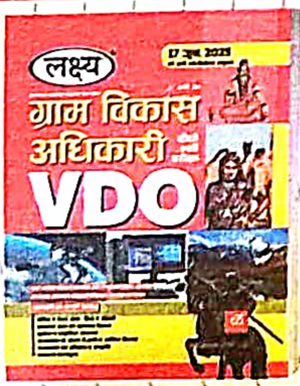

लक्ष्य®

RSSB जयपुर द्वारा आयोजित

III Grade (6–8)

REET Mains संस्कृत भाग–3

संस्कृत एवं शैक्षणिक रीति विज्ञान

लेखक

♦ डॉ. योगेश आर्य
शास्त्री, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.), वैयाकरणाचार्य, साहित्याचार्य, NET, JRF, विद्यावारिधि (Ph.D.)

♦ डॉ. महावीर जैन

♦ कान्ति जैन

विद्यार्थियों हेतु सूचना

- लक्ष्य की हमेशा से कोशिश रही है कि हम हर नई पुस्तक में लेटेस्ट पाठ्यसामग्री का समावेश करें। हमारा प्रयास रहता है कि पुस्तक का प्रेजेंटेशन इस तरह हो कि विद्यार्थियों को याद करने व रिवीजन करने में आसानी हो।
- इस संदर्भ में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। कॉल करें 98299-27737 पर (सोम-शनि, 11-6 PM)

ज्ञान अनन्त LAKSHYA

लक्ष्य®

मनु प्रकाशन (प्रा.) लिमिटेड, जयपुर

Bookbazi.in

The reading of all good books is like a conversation with the finest men.

मनु प्रकाशन (प्रा.) लिमिटेड, जयपुर

रजि. कार्यालय: F-275, 'लक्ष्यश्री', श्यामपथ, दैनिक करंट ज्वाला के पास, श्यामनगर विस्तार, न्यू साँगानेर रोड, सोडाला, जयपुर (राज.) पिन. 302019

शाखा कार्यालय: B-50, लक्ष्मी नमकीन भंडार के पास, 80 फीट रोड, महेश नगर, जयपुर
फोन: 7823008833, 7822008833, 0141-2502500

© प्रकाशकाधीन

मूल्य: ₹ 556

Code : 494

ISBN : 978-81-19815-65-4

टाइप सेटिंग: लक्ष्य डीटीपी यूनिट, जयपुर

लक्ष्य पुस्तकों के बारे में *अधिक जानकारी* के लिए सम्पर्क करें

98299-27737

(सोमवार से शनिवार; 11 AM to 6 PM)

पुस्तक को अधिक उपयोगी बनाने हेतु पाठकों के सुझाव आमन्त्रित हैं

- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके- इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से **प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है**
- लक्ष्य' ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली **किसी भी क्षति के लिए** लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं है। ध्यान रखें कि आप **उक्त शर्तें मानते हुए ही यह पुस्तक खरीद रहे हैं।**
- यदि कोई सज्जन या फर्म इस पुस्तक का नाम, टाईटल, डिजाईन, सेटिंग, शिक्षण सामग्री पूर्ण या आंशिक रूप से भारत की किसी भी भाषा में नकल या तोड़-मरोड़ व अदल-बदल कर छापता है तो वह **हर्जाने व खर्चे का जिम्मेदार** होगा।
- सभी प्रकार के **प्रतिवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर'** होगा।

अनुक्रमणिका

- REET Mains Level – II परीक्षा, 2022 (27.02.2023) P1-P4

खण्ड- प्रथम

- व्याकरण परिचय 1
- संज्ञा प्रकरण 16
- सन्धि प्रकरण 27
- समास प्रकरण 70
- प्रत्यय प्रकरण 117
- शब्दरूप प्रकरण 168
- धातुरूप प्रकरण 178
- अव्यय प्रकरण 184
- उपसर्ग प्रकरण 192
- कारक प्रकरण 197
- संस्कृतानुवाद प्रकरण 230
- अशुद्धिसंशोधन प्रकरण 253
- लौकिकसाहित्यम् 280–340

खण्ड- द्वितीय

- भाषाया: परिचय: 341
- शिक्षणविधय: 354
- शिक्षणसिद्धान्ता: 368
- भाषाकौशलानि 502
- अध्यापन विधि 386
- सहायकसामग्र्य: 408
- मूल्यांकन (सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण) 422–434

Bookbaazi.in

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड , जयपुर

राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा का पाठ्यक्रम

परीक्षा की समयावधि एवं अंक-भार

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण
1.	परीक्षा 300 अंकों की होगी।
2.	परीक्षा के लिए एक प्रश्न-पत्र होगा।
3.	प्रश्न-पत्र की समयावधि 02 घण्टे 30 मिनट होगी।
4.	प्रश्न-पत्र में कुल 150 प्रश्न होंगे। समस्त प्रश्न बहुविकल्पी होंगे।
5.	उत्तरों के मूल्यांकन में नकारात्मक अंकन होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए उस विशिष्ट प्रश्न के लिए विहित अंकों का एक तिहाई भाग काटा जाएगा। यहाँ गलत उत्तर से अभिप्राय अशुद्ध उत्तर अथवा एक से अधिक उत्तर होना है।

पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार

परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र का पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार ऐसा होगा जो प्राधिकृत अभिकरण द्वारा समय-समय पर विहित किया जाएगा और अभ्यर्थियों को समय के भीतर ऐसी रीति से, जो प्राधिकृत अभिकरण उचित समझे, सूचित किया जाएगा।

परीक्षा के लिए विषय एवं अंक-भार
अध्यापक, लेवल - द्वितीय (कक्षा 6 से 8 तक के लिए)

संस्कृत

अंक भार : 120

- संज्ञाप्रकरणत: सामान्यप्रश्ना:- इत् संज्ञा, संहिता, सवर्णम्, उदात्त:, अनुदात्त:, स्वरित:, उच्चारणस्थानानि।
- प्रत्ययप्रकरणम् - कृन्दत प्रकरणम्, तद्धित प्रकरणम्, स्त्री प्रकरणम्।
- संधि:।
- समासा:।
- निम्नलिखितानां शब्दरूपाणा ज्ञानम्- राम, हरि, गुरु, मति, रमा, वारि, अस्मद्, युष्मद्।
- निम्नलिखितानां धातुरूपाणां ज्ञानम् - भू, एध् (लट् लकार, लृट् लकार, लङ् लकार, लोट् लकार, विधिलिङ् लकार)।
- अव्ययानां प्रयोग:।
- उपसर्गा:।
- कारकप्रकरणम्।
- हिन्दीवाक्यानां संस्कृतानुवाद:।
- कारक-प्रत्यय-समास-आधारितवाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनम्।
- संस्कृतसाहित्येतिहास-सम्बन्धि-सामान्यपरिचयात्मक-प्रश्ना:- लौकिकसाहित्यम्- रामायणम्, महाभारतम्। महाकाव्यकवय: - कालिदास:, भारवि:, माघ:, श्रीहर्ष: दृश्यकाव्यकवय: - भास:, भवभूति:, शूद्रक:।

शैक्षणिक रीति विज्ञान

अंक भार : 20 अंक

- संस्कृत भाषा - शिक्षण विधय:
- संस्कृतभाषा - शिक्षण सिद्धान्ता:
- संस्कृत शिक्षणाभिरुचिप्रश्ना:
- संस्कृत भाषाकौशलस्य विकास: (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)
- संस्कृतशिक्षणे - अधिगमसाधनानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्यसाधनानि, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि।
- संस्कृतभाषाशिक्षणस्य मूल्यांकन-सम्बन्धित: प्रश्ना: मौखिक - लिखितप्रश्नानां प्रकारा: सततमूल्यांकनम् उपचारात्मक- शिक्षणम्।

Bookbazi.in

REET Mains Level – II

भर्ती परीक्षा, 2022 (हल प्रश्न पत्र)

परीक्षा तिथि

27 फरवरी, 2023

1. केन धात्वर्थो बलादन्यत्र नीयते?
   (1) अव्ययेन (2) सन्धिना
   (3) विभक्तिना (4) उपसर्गेण (4)
2. 'आदिकाव्यम्' अस्ति-
   (1) भगवद्गीता (2) वैदिकसाहित्यम्
   (3) महाभारतम् (4) रामायणम् (4)
3. सम्प्रति वाल्मीकिरामायणस्य पाठा: (संस्करणानि) प्रचलिता: सन्ति?
   (1) 6 (2) 7
   (3) 5 (4) 3 (*)

   व्याख्या- रामायण के वर्तमान चार संस्करण उपलब्ध हैं-
   1. बम्बई संस्करण (सर्वाधिक लोकप्रिय) (औदीच्य संस्करण)
   2. बंगाल संस्करण (गौडी संस्करण)
   3. कश्मीर संस्करण (पश्चिमोत्तरीय संस्करण)
   4. दक्षिणात्य संस्करण

   नोट: उपर्युक्त तीन संस्करण सर्वाधिक प्रचलित हैं।
4. ''घण्टामाघ:'' इति उपाधि महाकविमाघ: प्राप्तवान्-
   (1) रैवतकपर्वतवर्णनेन (2) हिमालयपर्वतवर्णनेन
   (3) गंगावर्णनेन (4) मैनाकपर्वतवर्णनेन (1)
5. अधोलिखितेषु महाभारताश्रितनाटकमस्ति-
   (1) अविमारकम् (2) दूतवाक्यम्
   (3) अभिषेकनाटम् (4) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (2)
6. 'वोढुम्' इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययों स्त:-
   (1) वोह् + उम् (2) वह् + तुमुन्
   (3) वह् + ष्ट्रन् (4) वढ् + अम् (2)
7. 'आदिकाव्यम्' इति नाम्ना विख्यातमस्ति-
   (1) महाभारतम् (2) बुद्धचरितम्
   (3) रघुवंशम् (4) वाल्मीकिरामायणम् (4)
8. 'पिता पुत्रों से स्नेह करता है' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादोऽस्ति-
   (1) पिता पुत्रेग स्निह्यति। (2) पिता पुत्रान स्निह्यति।
   (3) पिता पुत्रेषु स्निह्यति। (4) पिता पुत्रै: स्निह्यति। (3)
9. मृच्छकटिके कयो: प्रीतिकथा चित्रिता वर्तते-
   (1) शकुन्तलादुष्यन्तयो: (2) सागरिकोदयनयो:
   (3) चारुदत्तवसन्तसेनयो: (4) वासवदत्तोदयनयो: (3)
10. कान्यकुब्ज-नरेशस्य जयचन्द्रस्य सभासदासीत्-
    (1) कालिदास: (2) श्रीहर्ष:
    (3) भारवि: (4) भास: (2)
11. अधस्तनेषु अव्ययपदरहितं वाक्यमस्ति-
    (1) सहसा निर्णय: न करणीय:।
    (2) अथ रामायणकथा आरभ्यते।
    (3) स: तस्य उपहासं कृतवान्
    (4) अहं श्व: वाराणसीं गमिष्यामि। (3)
12. अध्यस्तनेषु शुद्धं वाक्यं चिनुत-
    (1) ग्रामेण आरात् नदी अस्ति।
    (2) ग्रामस्य आरात् नदी अस्ति।
    (3) ग्रामात् आरात् नदी अस्ति।
    (4) ग्रामम् आरात् नदी अस्ति। (3)
13. 'यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' इति वचन कस्य सन्दर्भेऽस्ति?
    (1) रामायणस्य सन्दर्भे (2) महाभारतस्य सन्दर्भे
    (3) महाभाष्यस्य सन्दर्भे (4) मनुस्मृते: सन्दर्भे (2)
14. महाकविकालिदासस्य महाकाव्ये स्त:-
    (1) कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्
    (2) मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्
    (3) महावीरचरितम् उत्तररामचरितम्
    (4) ऋतुसंहारम्, मेघदूतम् (1)
15. ईषत्स्पृष्टवर्णा: सन्ति-
    (1) अ, इ, उ, ऋ (2) श, ष, स, ह
    (3) ए, ओ, ऐ, औ (4) य, र, ल, व (4)
16. महाकविमाघस्य निवासस्थानमस्ति-
    (1) कश्मीर: (2) उज्जयिनी
    (3) श्रीमालनगरम् (4) काशी (3)
17. 'विद्वदौषधम्' मन्यते-
    (1) रघुवंशम् (2) शिशुपालवधम्
    (3) किरातार्जुनीयम् (4) नैषधीयचरितम् (4)

Bookbaazi.in

18. वेदान्तग्रन्थस्य खण्डनखण्डखाद्यस्य प्रणेता अस्ति-
(1) भासः (2) भारविः
(3) श्रीहर्षः (4) भवभूतिः (3)

19. अधस्तनेषु शुद्धवाक्यं चिनुत-
(1) श्रमाय विना न धनम्।
(2) ग्रामस्य अभितः वृक्षाः सन्ति।
(3) हरिः आसने अधिशेते।
(4) ज्ञानमन्तरेण न सुखम्। (4)

20. अधोलिखितेषु काव्यशास्त्रीय मार्गेषु भारविणा अनुसृतः-
(1) विचित्रमार्गः (2) मध्यमार्गः
(3) सुमध्यममार्गः (4) सुकुमारमार्गः (1)

21. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' उक्तिरियमस्ति-
(1) व्यासस्य (2) भारवेः
(3) माघस्य (4) कालिदासस्य (2)

22. मृच्छकटिकमस्ति-
(1) अङ्कम् (2) प्रकरणम्
(3) प्रहसनम् (4) नाटकम् (2)

23. कालिदासविरचितमहाकाव्येषु मुख्यतया प्रयुक्तः अस्ति-
(1) पाञ्चालीरीतिः, माधुर्यगुणः
(2) गौडीरीतिः, ओजगुणः
(3) वैदर्भीरीतिः, प्रसादगुणः
(4) लाटीरीतिः, ओजगुणः (3)

24. कुशलनिपुणसाधुपटुप्रवीणदक्षचतुरादि शब्दानां प्रयोगे विभक्तिः प्रयुज्यते-
(1) पञ्चमीविभक्तिः (2) षष्ठीविभक्तिः
(3) सप्तमीविभक्तिः (4) द्वितीयविभक्तिः (3)

25. रघुवंशमहाकाव्यस्य कस्मिन्सर्गे रघोः दिग्विजयात्रायाः चित्रणमस्ति?
(1) पञ्चमसर्गे (2) षष्ठसर्गे
(3) चतुर्थसर्गे (4) प्रथमसर्गे (3)

26. महाभारतस्य प्रणेता कः?
(1) बादरायणः (2) वैशम्पायनः
(3) कृष्णद्वैपायनः (4) जन्मेजयः (3)

27. 'गुरु को प्रणाम' इत्यस्य संस्कृतानुवादः भवति-
(1) गुरो नमः (2) गुरवे नमः
(3) गुरुणां नमः (4) गुरुं नमः (2)

28. 'शतसाहस्त्रीसंहिता' इति कथ्यते-
(1) रामायणम् (2) महाभारतम्
(3) भगवद्गीता (4) वैदिकसाहित्यम् (2)

29. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य कथानकः गृहीतोऽस्ति-
(1) महाभारते सभापर्वणः
(2) महाभारते विराटपर्वणः
(3) महाभारते आदिपर्वणः
(4) महाभारते भीष्मपर्वणः

30. 'परीक्षा' इत्यत्र उपसर्गः अस्ति-
(1) परि (2) प्र
(3) परा (4) परी

31. 'पञ्चमङ्गम्' इत्यत्र समासोऽस्ति-
(1) बहुव्रीहिसमासः (2) अव्ययीभावः
(3) द्वन्द्वसमासः (4) द्विगुसमासः

32. 'द्वियमुनम्' इत्यत्र समासोऽस्ति-
(1) तत्पुरुषः (2) बहुव्रीहिः
(3) द्विगुः (4) अव्ययीभावः

व्याख्या- सूत्र- नदीभिश्च
अर्थ- पूर्वपद संख्यावाची हो तथा उत्तरपद नदीवाची अव्ययीभाव समास होता है।
द्वयोः यमुनयोः समाहारः = द्वियमुनम्
पञ्चानां गङ्गानां समाहारः = पञ्चगङ्गम्

33. 'मयूरः मेघं दृष्ट्वा नृत्याति' वाक्येऽस्मिन् प्रत्ययप्रयोगः वि
(1) शानच् (2) ण्वुल्
(3) क्त्वा (4) ल्यप्

34. 'यत्र-यत्र धूमः तत्र-तत्र अग्निः' वाक्येऽस्मिन्-अव्ययपदानि सन्ति-
(1) यत्र-यत्र धूमः (2) तत्र-तत्र अग्निः
(3) धूमः, अग्नि (4) यत्र-यत्र, तत्र-तत्र

35. 'भव' इति पदं कस्मिन् लकारे भवति-
(1) लङ्लकारे (2) लृटि
(3) लोट्लकारे (4) विधिलिङे

36. 'वारिणः' इति शब्दः सिद्धायति-
(1) द्वितीया-तृतीय-एकवचने
(2) चतुर्थी-पञ्चमी-एकवचने
(3) पञ्चमी-षष्ठी-एकवचने
(4) प्रथमा-द्वितीया-एकवचने

37. 'चावलों से भात पकाता है।' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवाद
(1) तण्डुलैः ओदनं पचति।
(2) तण्डुलान् ओदनं पचति।
(3) तण्डुलेन ओदनानि पचति।
(4) ओदनात् तण्डुलान् पचति।

Bookbaazi.in

38. 'मद्राणां समृद्धि' इत्यस्य समासोऽस्ति-
(1) सुमद्रम् (2) मद्रस्य समृद्धिः
(3) समाद्रम् (4) समुंद्रम् (1)

39. अपत्यार्थे प्रत्ययो भवति-
(1) अण् (2) तमप्
(3) इनि (4) मयट् (1)

व्याख्या- अण् प्रत्यय का प्रयोग अपत्य (सन्तान) अर्थ में होता है।
उपगोः अपत्यम्
उपगु + अण् = औपगवः

40. मतिशब्दस्य द्वितीयाबहुवचने रूपं भवति-
(1) मती (2) मतीः
(3) मतीन् (4) मतयः (2)

41. अकुहविसर्जनीयानामुच्चारणस्थानमस्ति-
(1) कण्ठोष्ठम् (2) कण्ठः
(3) दन्तोष्ठम् (4) कण्ठतालु (2)

42. अव्यायानां निर्माण धातुयोगे प्रत्ययः भवित-
(1) तुमुन् (2) अनीयर्
(3) तृच् (4) क्तवतु (1)

43. विधिलिङ्गे 'भू' धातोः मध्यमपुरुषे बहुवचनस्य रूपमस्ति-
(1) भवेम (2) भवेत
(3) भवेयुः (4) भवेत् (2)

44. 'भावुकः' इति पदस्य सन्धिविच्छेदोऽस्ति-
(1) भाव + उकः (2) भावुः + कः
(3) भौ + उकः (4) भो + वुकः (3)

व्याख्या-
भौ + उकः
औ + उ
↓ (अयादि संधि)
भ् आव् + उक = भावुकः

एचोऽयवाः
एच् (ए ओ ऐ औ) के स्थान पर क्रमशः अय् अव् आय् आव् आदेश हो जाते हैं, अच् (स्वर) परे रहते।

45. 'गेयः' इति पदे प्रकृति प्रत्ययः अस्ति-
(1) गै + यत् (2) गे + यत्
(3) गो + यत् (4) गौ + यत् (1)

46. अस्मद्शब्दरूपे 'न' इति रूपं केन सह असम्बद्धमस्ति-
(1) 'अस्मान्' इत्यनेन (2) 'अस्मभ्यम्' इत्यनेन
(3) 'अस्माकम्' इत्यनेन (4) 'अस्मत्' इत्यनेन (4)

47. 'प्रत्यावर्तते' इत्यत्र उपसर्गः अस्ति-
(1) प्रति (2) प्रा
(3) वरि (4) प्र (1)

48. 'वर्षर्तुः' इति पदस्य सन्धिविच्छेदोऽस्ति-
(1) वर्षा + ऋतुः (2) वर्षर् + तुः
(3) वर्षः + तुः (4) वर्ष + ऋतुः (1)

व्याख्या-
वर्षा + ऋतु
आ + ऋ
वर्ष् अर् + ऋतुः
वर्षर्तुः (गुण सन्धि)

आद् गुणः अवर्ण के बाद इ उ ऋ लृ आये तो गुण एकदिश होता है।
महा + ऋतुः = महर्तुः
शीत + ऋतुः = शीतर्तुः

49. 'हरी एतौ' इत्यत्र सन्धिः भवति-
(1) गुणसन्धिः (2) अयादिसन्धिः
(3) यण्सन्धिः (4) प्रकृतिभावः (4)

50. 'रमायाः' इति शब्दरूप कयोः विभक्तयोः सिद्धयति-
(1) तृतीया-चतुर्थी (2) चतुर्थी-पञ्चमी
(3) पञ्चमी-षष्ठी (4) द्वितीया-तृतीया (3)

51. वकारस्य उच्चारणस्थानमस्ति-
(1) कण्ठोष्ठम् (2) कण्ठतालुः
(3) जिह्वामूलम् (4) दन्तोष्ठम् (4)

52. अधोऽङ्कितेषु अशुद्धं वाक्यमस्ति-
(1) विना परिश्रमस्य न सुखम्
(2) विना परिश्रमेण न सुखम्
(3) विना परिश्रमात् न सुखम्
(4) विना परिश्रमं न सुखम् (1)

53. 'राजा दुर्जनों पर क्रोध करता है' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादोऽस्तु-
(1) नृपः दुर्जनाय क्रुध्यति।
(2) नृपः दुर्जनान् क्रुध्यति।
(3) नृपः दुर्जनेभ्यः क्रुध्यति।
(4) नृपः दुर्जनेषु क्रुध्यति। (3)

54. आभ्यान्तरप्रयत्नस्य भेदाः सन्ति-
(1) त्रिधा (2) पञ्चधा
(3) अष्टधा (4) द्विधा (2)

Bookbaazi.in

55. ऐध्धातोः लङ्लकारे उत्तमपुरुष-एकवचन रूपमस्ति-
(1) ऐधेत् (2) एधै
(3) एधे (4) ऐधे (*)

56. 'एधै' इति धातुरूपमस्ति-
(1) लोट्लकारे उत्तमपुरुषस्य
(2) लङ्लकारे उत्तमपुरुषस्य
(3) लोट्लकारे मध्यमपुरुषस्य
(4) लट्लकारे मध्यमपुरुषस्य (1)

57. 'विष्णोऽव' इत्यत्र पूर्वरूपमेकादेशविधायकं सूत्रमस्ति-
(1) एङः पदान्तादति (2) अदेङ् गुणः
(3) एङि पररूपम् (4) हलन्त्यम् (1)

58. यत्र एकस्याः क्रियायाः अनन्तम् अपराक्रिया लक्ष्यते तत्र विभक्ति स्यात्-
(1) चतुर्थी (2) पञ्चमी
(3) सप्तमी (4) द्वितीया (3)

59. हंसी च हंसौ च इति-
(1) हंसौ (2) हंसीहंसौ
(3) हंसीहंसे (4) हंसहंसी (*)

व्याख्या- पुमान् स्त्रिया- पुँल्लिंग के शब्दों का स्त्रीलिंग के शब्दों के साथ समास करने पर पुल्लिंग के शब्द शेष रहते हैं।
उदाहरण- बालकश्च बालिका च = बालकौ
हंसश्च हंसी च = हंसौ

60. 'दैत्येभ्यो हरिः <u>अलम्</u>' इत्यत्र रेखाङ्कितात्ययस्यार्थोऽस्ति-
(1) व्यर्थम् (2) पर्याप्तम्
(3) समीपम् (4) निषेधः (2)

61. भाषा शिक्षणस्य उद्देश्य किं भवति?
(1) ज्ञानप्राप्तिः (2) बुद्धि विकासः
(3) धनोपार्जनम् (4) व्यवहारपरिवर्तनम् (4)

62. संस्कृत शिक्षणे 'घटे समुद्रपूरणम्' इत्युक्तिः कस्य विधेः कृते कथ्यते?
(1) सूत्र विधिः (2) भाषा संसर्ग विधिः
(3) पाठ्यपुस्तक विधिः (4) पारायण विधिः (1)

63. भाषाशिक्षणं जन्मजातप्रवृत्तिरस्ति इत्यनेन सम्बद्धः शिक्षण सिद्धांत अस्ति-
(1) रुचेः सिद्धान्तः (2) स्वभाविकतायाः सिद्धान्तः
(3) प्रवृतेः सिद्धान्तः (4) अभ्यासस्य सिद्धान्तः (2)

64. शिक्षायाः उद्देश्य किं स्यात्?
(1) छात्राणां मानसिक योग्यतायाः विकासः
(2) छात्रान् साक्षरं करणम्
(3) बालकानां सम्पूर्णः विकासः
(4) शिक्षाग्रहणाद् अनन्तरं धनोपार्जनम् (

65. निम्नलिखितेषु संस्कृताध्यापने दृश्य-श्रव्यसाधनं किमस्ति
(1) चलभाषयन्त्रम् (2) श्यामपट्टम्
(3) एतानि सर्वाणि (4) दूरदर्शनम् (

66. विद्यार्थिषु नैतिक मूल्याः कथम् उत्पन्नाः कुर्त्तम् शक्यन्ते?
(1) कक्षायां नैतिक मूल्येषु व्याख्यानं दत्वा
(2) पाठ्यक्रमेण सह सहगामी क्रियाः कारयित्वा
(3) महापुरुषाणां चरित्रान् ग्रहीतुम् प्रेरयित्वा
(4) प्रार्थना सभायास् सद्विचारान् वर्णयित्वा (

67. 'पाठ्यवस्तु समग्रता' इति अनेन कः अभिप्रायः अस्ति?
(1) दीर्घ अनुच्छेदात् सूचना लेखनम्
(2) विभिन्न अनुच्छेदेषु वाक्येषु वा परस्परं सम्बद्धता द
सर्वेषां नामपदानां प्रयोगः
(3) कथावर्णनानुगुणं अनुच्छेदव्यवस्था
(4) कस्मिश्चिद् अनुच्छेदे प्रदत्त सूचनानुगुणं प्रस्तुतीकरणम् (

68. बालकेषु अभिव्यक्तिविकासः केन विधिना न भवति?
(1) भाषण विधिना
(2) कक्षानायक विधिना
(3) वाद:विवाद विधिना
(4) कथाकथन विधिना (

69. यदि एकः शिक्षकः शिक्षणं प्रति निष्ठावान् नास्ति। सः स
कक्षाशिक्षाणत् दूरीकरोति। अत्र शिक्षके कस्य अभावः वर्त
(1) शिक्षण अभियोग्यतायाः अभावः
(2) कार्यकरणस्य क्षमतायाः अभावः
(3) व्यावसायिक नैतिकतायाः अभावः
(4) नैतिक मूल्यानाम अभावः (

70. भाषा परीक्षयाः उत्तराणि दृष्ट्वा षष्ठी कक्षायाः अध्यापि
अवगच्छति यत् छात्राणां प्रदर्शन समीचीनं नास्ति इति। अन
सा अन्यस्याः परीक्षायाः रचनां कृत्वा तां नियोजयति। ई
परीक्षा का परीक्षा कथ्यते?
(1) योगात्मक परीक्षा (2) निदानात्मक परीक्षा
(3) संचयात्मक परीक्षा (4) रचनात्मक परीक्षा (

Bookbaazi.in